पराली दहन

दिल्ली और पड़ोसी क्षेत्रों में बिगड़ती वायु गुणवत्ता से निपटने के प्रयासों के तहत केंद्र ने पराली जलाने वाले किसानों के लिए जुर्माना बढ़ा दिया है।

प्रमुख बिंदु

- नए नियमों को **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (पराली जलाने पर पर्यावरणीय मुआवजे का अधिरोपण, संग्रह और उपयोग) संशोधन नियम, 2024 कहा जाता है।**
- तत्काल प्रभाव से लागू होने वाले नए नियमों के तहत, दो एकड़ से कम भूमि वाले किसानों पर **5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा**।
- दो से पांच एकड़ तक जमीन वाले किसानों पर पराली जलाने पर **10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा** , जबकि पांच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर पराली जलाने पर **30,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।**
- यह संशोधन, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अधिनियम, 2021 के तहत वायु प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार के प्रयास का हिस्सा है।

पराली दहन क्या है?

- पराली दहन, **खेतों से फसल अवशेषों को नष्ट करने का एक आसान तरीका है** , जिसे भारत के चावल-गेहूं उत्पादक क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनाया जाता है, जो अक्सर पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए चुनौतियां उत्पन्न करता है।
- **अक्टूबर और नवंबर के महीनों के दौरान** गेहूं की फसल उगाने के लिए खेतों में धान की पराली जलाना एक आम प्रथा बन गई है ।

'क्षेत्रीय और उपक्षेत्रीय स्तर पर पारंपरिक हथियारों पर नियंत्रण' पर प्रस्ताव

भारत ने 'क्षेत्रीय और उपक्षेत्रीय स्तर पर पारंपरिक हथियार नियंत्रण' पर पाकिस्तान के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया।

प्रमुख बिंदु

- **संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम समिति** में 'क्षेत्रीय और उपक्षेत्रीय स्तर पर पारंपरिक हथियार नियंत्रण' पर पाकिस्तान और सीरिया द्वारा प्रस्ताव **रखा गया था**।
- इसे रिकॉर्ड मत द्वारा पारित किया गया, जिसमें 179 सदस्यों ने इसके पक्ष में मतदान किया, इजराइल ने मतदान में भाग नहीं लिया, जबकि भारत एकमात्र देश था जिसने प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया।
- प्रस्ताव में " **क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में पारंपरिक हथियार नियंत्रण की महत्वपूर्ण भूमिका** " को मान्यता दी गई है।

- संयुक्त राष्ट्र महासभा की प्रथम समिति निरस्त्रीकरण, वैश्विक चुनौतियों और शांति के लिए खतरों से निपटती है, जो अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को प्रभावित करते हैं।

डिजिटल जनसंख्या घड़ी

8 नवंबर को बेंगलुरु के सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान (आईएसईसी) में पहली डिजिटल जनसंख्या घड़ी लांच की गई।

प्रमुख बिंदु

- यह घड़ी **कर्नाटक और भारत की वास्तविक समय की जनसंख्या का अनुमान दर्शाती है** ।
- यह पहल **आईएसईसी और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू) के बीच सहयोग से की गई है।**
- इसका उद्देश्य जनसंख्या गतिशीलता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और अनुसंधान के लिए सटीक डेटा उपलब्ध कराना है।
- यह घड़ी **कर्नाटक की जनसंख्या का अनुमान प्रत्येक 1 मिनट और 10 सेकंड पर** अपडेट करती है , जबकि भारत की कुल जनसंख्या प्रत्येक दो सेकंड में अपडेट होती है ।

हुरुन इंडिया फिलैंथ्रोपी सूची 2024

एडेलगिव के अनुसार, हुरुन इंडिया फिलैंथ्रोपी लिस्ट 2024 जारी कर दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- **एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर ने** पांच साल में तीसरी बार भारत के सबसे उदार परोपकारी व्यक्ति के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024 में 2,153 करोड़ रुपये दान किए (यानी हर दिन 5.9 करोड़ रुपये)।
- **इंफोसिस की सह-संस्थापक और नंदन नीलेकणी की पत्नी रोहिणी नीलेकणी** 154 करोड़ रुपये के वार्षिक दान के साथ सूची में सबसे उदार महिला के रूप में शीर्ष पर हैं।

- **जीरोधा के सह-संस्थापक निखिल कामथ** महज 38 साल की उम्र में एडेलगिव-हुरुन इंडिया फिलैंथ्रोपी लिस्ट 2024 में शामिल होने वाले सबसे कम उम्र के परोपकारी व्यक्ति बन गए हैं।
- सूची में **परोपकारियों की सर्वाधिक संख्या वाला शहर मुम्बई रहा , जहां कुल परोपकारियों की संख्या 30% थी, जिसके बाद 19% के साथ नई दिल्ली और 9% के साथ बेंगलुरू का स्थान रहा।**

चर्चा में व्यक्ति- नियुक्ति

उषा वेंस

- **वह संयुक्त राज्य अमेरिका की पहली भारतीय मूल की द्वितीय महिला** बनीं । वह अमेरिकी उपराष्ट्रपति चुनाव के विजेता जेडी वेंस की पत्नी हैं

महत्वपूर्ण दिन/तारीखें

10 नवंबर

विश्व टीकाकरण दिवस

- विश्व टीकाकरण दिवस प्रतिवर्ष 10 नवम्बर को मनाया जाता है।
- इस **अभ्यास का उद्देश्य संक्रामक रोगों की रोकथाम और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा में टीकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।**
- टीकाकरण रोगों को नियंत्रित करने और उन्मूलन के लिए सबसे **प्रभावी और लागत-कुशल उपायों में से एक है** , जिससे हर साल दुनिया भर में लाखों लोगों की जान बचती है।

सैन्य अभ्यास

अभ्यास ऑस्ट्राहिंद

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास

- **संयुक्त सैन्य अभ्यास ऑस्ट्राहिंद का तीसरा संस्करण** महाराष्ट्र के पुणे स्थित विदेशी प्रशिक्षण नोड में आयोजित किया जा रहा है।
- यह अभ्यास 8 से 21 नवंबर 2024 तक होगा।
- यह **एक वार्षिक आयोजन है जो भारत और ऑस्ट्रेलिया में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है।** इसी अभ्यास का पिछला संस्करण दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया गया था।
- यह अभ्यास दोनों पक्षों को सामरिक संचालन की रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में सक्षम बनाएगा।

महत्वपूर्ण समाचार- अन्य राज्य

छत्तीसगढ़	83 **वां भारतीय सड़क कांग्रेस** वार्षिक अधिवेशन रायपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित किया गया।
गुजरात	गुजरात ने **भारत की पहली 'गुजरात सेमीकंडक्टर नीति 2022-2027' शुरू की है,** जिसका लक्ष्य सेमीकंडक्टर विनिर्माण में खुद को एक पावरहाउस के रूप में स्थापित करना है।

महत्वपूर्ण समाचार- विश्व

इजराइल	इज़रायली **संसद ने एक कानून पारित किया है, जिसके तहत सरकार को आतंकवाद के अपराध में दोषी पाए गए लोगों के परिवार के सदस्यों को निर्वासित करने की अनुमति दी गई है,** जिसमें इज़रायली नागरिक भी शामिल हैं। यह कानून प्रथम श्रेणी के रिश्तेदारों पर लागू होता है, यानी आतंकवाद करने या उसका समर्थन करने के दोषी पाए गए लोगों के माता-पिता, भाई-बहन या बच्चे।

विविध

- सरकार ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) योजना **के तहत उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।**
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह **सराय काले खां के पास बांसेरा पार्क में आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण करेंगे।** प्रतिमा 20 फुट ऊंची है और इसका वजन करीब 3,000 किलोग्राम है।

❍❍❍❍